देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 136 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

देहरादून, 'kfuokj 28 अगस्त 2021

पेज थ्री

ठेकेदार संगठन ने पीडब्लूडी के दफ्तर में जड़ा ताला

खाली पेट पानी पीओ और लंबा जियो...

मौसम अधिकतम 19.0° न्यूनतम 6.0°

36254.57 2 विसंगतियों से उपजी आर्थिकी की तस्वीर 7 वन क्षेत्र से सटे मार्गों का निर्माण

एनवीपी एवं भूमि अधिग्रहण के भुगतान को 102 करोड़ की धनराशि को दी स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पी.एम.जी.एस.वाई. के अन्तर्गत एन. वी.पी. एवं भूमि अधिग्रहण मद के भुगतान हेतु 102 करोड़ की धनराशि

को स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र टिहरी के अन्तर्गत विभिन्न 05 कार्यों हेतु 02 करोड़ 81 लाख, विधानसभा क्षेत्र हरिद्वार के अन्तर्गत विभिन्न 08 निर्माण कार्यों हेतु 03 करोड़, विधानसभा क्षेत्र नरेन्द्रनगर के अन्तर्गत जाजल शिवपुरी मोटर मार्ग के अवशेष भाग के निर्माण हेतु 87.38 लाख, विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के अन्तर्गत घोड़ीखाल–कण्डारा–नौसेलू मोटर मार्ग का निर्माण एवं 24 मीटर स्पान स्टील गार्डर पुल के निर्माण हेतु 34.51 लाख, विधानसभा क्षेत्र कोटद्वार के अन्तर्गत विभिन्न 03 निर्माण कार्यों हेतु 4 करोड़ 97 लाख, विधानसभा क्षेत्र कोटद्वार के अन्तर्गत विभिन्न 03 निर्माण कार्यों हेतु 6 करोड़ 24 लाख, विधानसभा क्षेत्र कोटद्वार के अन्तर्गत दुर्गापुरी–जीवानन्दपुर एवं खूनीबड़ में विभिन्न मोटर मार्गों का इण्टरलॉकिंग टाईल्स द्वारा निर्माण हेतु 1 करोड़ 21 लाख, विधानसभा क्षेत्र लालकुऑ के अन्तर्गत 14 निर्माण कार्यों हेतु 6 करोड़ 15 लाख, विधानसभा क्षेत्र लक्सर के अन्तर्गत विभिन्न 08 निर्माण कार्यों हेतु 4 करोड़ 94 लाख, विधानसभा क्षेत्र बाजपुर के अन्तर्गत 09 निर्माण कार्यों हेतु 5 करोड़ 17 लाख की वित्तीय स्वीकृति दी। विधानसभा क्षेत्र नानकमत्ता के अन्तर्गत ग्राम ज्ञनपुरगोढ़ी के पीपलगोला (बरकीडांडी) मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 06 करोड़ 57 लाख, विधानसभा क्षेत्र बागेश्वर के अन्तर्गत विभिन्न 08 निर्माण कार्यों हेतु 1 करोड़ 78 लाख, जनपद पिथौरागढ़ में जल संवर्द्धन एवं पेयजल विकास हेतु थरकोट झील निर्माण की पुनरीक्षित लागत 32 करोड़, विधानसभा क्षेत्र सोमेश्वर के अन्तर्गत ग्राम दौलाघाट सिलौनीबगड़ से लक्ष्मीपुर तक होते हुये रा.प्रा.वि. पनकोट लिंक मोटर मार्ग हेतु 13 लाख 65 हजार, विधानसभा क्षेत्र कपकोट के अन्तर्गत शीप फार्म कर्मी से ग्रामसभा डोला तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु 69 लाख रूपये की स्वीकृति के साथ ही विधानसभा क्षेत्र देवप्रयाग के अन्तर्गत विभिन्न 02 निर्माण कार्यों हेतु 01 करोड़ 12 लाख रूपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

भूस्खलन और भूधंसाव से पांच नेशनल हाईवे समेत 219 सड़कें बंद

देहरादून (संवाददाता)A उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के कारण भूस्खलन और भूधंसाव से पांच नेशनल हाईवे समेत कुल 219 सड़कें बंद हैं। टिहरी जिला प्रशासन ने ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग 58 को तपोवन से मलेथा तक आवागमन के लिए बंद कर दिया है। पहाड़ियों से लगातार पत्थर और बोल्डर गिरने से पर्वतीय क्षेत्रों की यात्रा खतरनाक बनी हुई है। ऐसे में लोगों को इन दिनों पहाड़ की यात्रा टालने की सलाह दी गई है। शुक्रवार को लोनिवि की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में पांच नेशनल हाईवे, 15 स्टेट हाईवे, सात जिला मार्ग, 13 अन्य जिला मार्ग, 9 ग्रामीण सड़कें (सीविल) और 89 ग्रामीण सड़कें बाधित हैं। लोनिवि, बीआरओ और दूसरी एजेंसियों की ओर से सड़कों को खोलने की कार्रवाई लगातार जारी है। अकेले नेशनल हाईवे को खोलने के लिए 136 जोसीबी मशीनों को लगाया गया है। कुल 314 जेसीबी मशीनों को विभिन्न मार्गों को खोलने पर लगाया गया है। शुक्रवार को लोनिवि की ओर से 166 सड़कों को खोलने का कार्य किया गया। इसके बावजूद लगातार हो रही बारिश के कारण मलबा आने से सड़कें पुनः बंद हो जा रही हैं।

वैकल्पिक मार्ग खुले, लेकिन यात्रा करना खतरनाक

ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग 58 तपोवन से मलेथा तक बंद होने की स्थिति में दो वैकल्पिक मार्ग हैं, लेकिन जानकारों ने यात्रा के लिए इन मार्गों को भी सुरक्षित नहीं बताया है। बहुत जरूरी होने पर ही यात्रा करने की सलाह दी गई है। इनमें पहला मार्ग श्रीनगर–बदरीनाथ जाने के लिए ऋषिकेश–चंबा– कोटी कॉलोनी टिहरी से होते श्रीनगर की ओर जाया जा सकता है, लेकिन इस मार्ग पर भी नरेंद्रनगर व खाड़ी के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण यातायात बाधित हो रहा है।

गाय ढूंढते हुए सौंग नदी के टापू में फंसे चार लोग

देहरादून (संवाददाता)। प्रदेश में भारी बारिश से नदी–नाले उफान पर हैं। वहीं देहरादून नेपाली फार्म के समीप सौंग नदी के टापू में कुछ लोग फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफकी टीम मौके पर पहुंची और टापू में फंसे लोगों को रेस्क्यू किया।

कंट्रोल रूम देहरादून से सूचना मिली थी कि नेपाली फार्म के समीप सौंग नदी में कुछ लोग फंसे हुए हैं।

जौलीग्रांट एयरपोर्ट और ऋषिकेश के बीच रानीपोखरी का पुल ध्वस्त

ऋषिकेश (संवाददाता)। ऋषिकेश–देहरादून के बीच रानीपोखरी के समीप जाखन नदी पर बने मोटर पुल के दो पैनल टूट गए। लगातार हो रही बारिश के चलते नदी में आए पानी के भारी बहाव से पुल के सपोर्टिंग पिलर के नीचे भू–कटाव हो गया था, जिससे पिलर ढह गया। दुर्घटना के समय पुल पर वाहनों की खासी आवाजाही थी। पुल के धंसे हिस्से से गुजर रहे तीन चौपहिया व एक दुपहिया वाहन पुल के साथ ही दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें एक वाहन में सवार दो युवकों को चोटें आई है। गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। मुख्यमंत्री ने पुल दुर्घटना के जांच के आदेश दिए हैं। ऋषिकेश से करीब पंद्रह किलोमीटर आगे रानीपोखरी के समीप जाखन नदी पर करीब 57 साल पुराना 431.6 मीटर लंबा डबल लेन मोटर पुल है। जाखन नदी में अधिकांशतया बरसात के दिनों में ही पानी आता है। इस बार लगातार हो रही बारिश के चलते पिछले कुछ दिनों से जाखन नदी में पानी का बहाव बेहद तेज है। शुक्रवार को दोपहर करीब बारह बजे जाखन नदी पुल पर रानीपोखरी की ओर एक पिलर के नीचे हुए भू–कटाव से पुल का पिलर बह गया, जिससे पुल का एक पैनल भरभराकर नदी में बैठ गया। ऋषिकेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। गुरुवार सुबह रानीपोखरी पर बना पुल टूट गया। पुल का जो हिस्सा टूटा है, वहां कुछ वाहन फंस गए और कुछ पलट गए हैं। कुछ वाहनों के बहने की भी आशंका है। इस वक्त पुल पर वाहनों की खासी आवाजाही थी, इस पैनल के ऊपर पुल पार कर रहे दो छोटा हाथी वाहन, एक ओमिनी और एक मोटरसाइकिल पुल के साथ ही नीचे जा गिरे। इनमें ओमिनी वाहन मुंह के बल टूटे हिस्से में गिरा, जबकि मोटरसाइकिल और दो छोटा हाथी वाहन आगे से पीछे की ओर खिसकते हुए आए, जिनमें से एक छोटा हाथी पूरी तरह से पलट गया।

सम्पादकीय

बरसता पैसा फिल्मों से

मार्वल की सुपरहीरो फिल्म 'एवेंजर्स एंडगेम' की ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई जारी है। 'टाइटैनिक' की कमाई का रिकॉर्ड तोड़कर यह 'अवतार' के बाद विश्व की दूसरी सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्म बन गई है। टाइटैनिक की वर्ल्डवाइड कमाई 153 अरब रुपये थी, जिसे एंडगेम पीछे छोड़ चुकी है। केवल भारतीय बाजार में इस फिल्म ने रविवार तक 312.95 करोड़ रुपये की कमाई कर ली थी। वैसे एवेंजर्स एंडगेम की जिस तरह रोजाना कमाई के नए कीर्तिमान रच रही है, उससे लगता है कि यह दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन सकती है। 1997 में रिलीज हुई टाइटैनिक से हॉलिवुड ने एक लंबी छलांग लगाई थी। इस फिल्म ने साबित किया कि भूमंडलीकरण और उदारीकरण का जबर्दस्त फायदा हॉलिवुड को होने वाला है। उसके 12 साल बाद 29 में रिलीज हुई 'अवतार'ने 2.78 अरब डॉलर यानी 195 अरब रुपये कमाकर इसकी कमाई का रिकॉर्ड बड़े अंतर से तोड़ दिया। 'स्टार वार्स = द फोर्स अवेकन्स', 'एवेंजर्स इनफिनिटी वॉर' और 'जुरासिक वर्ल्ड' जैसी फिल्मों में भी हॉलिवुड की आसमानी कमाई का क्रम जारी रहा। अभी लग रहा है कि एंडगेम दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने से महज कुछ ही कदम दूर है। निश्चय ही हॉलिवुड ने विश्व बाजार की नब्ज को पकड़ लिया है और उसकी फिल्में दुनिया भर के दर्शकों को चमत्कृत कर रही हैं। हॉलिवुड के साथ-साथ बॉलिवुड और अन्य भारतीय भाषाओं में बनी फिल्मों की कमाई भी बढ़ रही है। न सिर्फ देश में बल्कि बाहर भी हमारी फिल्मों के दर्शक बढ़े हैं। पहले किसी बॉलिवुड फिल्म का एक करोड़ कमा लेना ही खबर बन जाता था, पर अब तो पांच सौ करोड़ का क्लब भी बन गया है। 'दंगल' ने तो पूरी दुनिया में करीब 2 करोड़ रुपये की कमाई की है जबकि बाहुबली-2 ने 65 करोड़, पीके ने 832 करोड़, बजरंगी भाईजान ने 626 करोड़ और सुल्तान ने 584.14 करोड की कमाई की है। लेकिन इसके बावजूद कारोबार के मामले में बॉलिवुड अभी हॉलिवुड ही नहीं चीनी सिनेमा से भी काफी पीछे है।

विसंगतियों से उपजी आर्थिकी की तस्वीर

भरत झुनझुनवाला

वर्तमान चुनाव हमें एनडीए सरकार के आर्थिक कार्यों की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस कथन में सत्यता है कि उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया है, नई आईआईटी और आईआईएम की स्थापना की है, ग्रामीण विद्युतीकरण में सुधार किया है कि हर घर को बिजली मिल सके, मंगल ग्रह पर भारत ने अपना यान भेजा है, किसानों को मासिक निश्चित रकम उपलब्ध करायी है और सोलर एनर्जी में तीव्र वृद्धि की है। प्रधानमंत्री द्वारा बताई गई ये उपलब्धियां सही दिखती हैं लेकिन अर्थव्यवस्था की मूल स्थिति इतनी सुदृढ़ नहीं दिखती।

प्रधानमंत्री ने बताया कि विश्व बैंक द्वारा बनाये गए व्यापार करने की सुगमता के सूचकांक में भारत का स्थान 142वें से उछलकर 77वें पर आ गया है। यह सही है। लेकिन इस सूचकांक को बनाने में विश्व बैंक द्वारा लगभग 1 कारकों का अध्ययन किया गया। जैसे बिजली कनेक्शन लेने में कितना समय लगता है, अथवा प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन में कितना समय लगता है। दरअसल इस सुधार में विशेष योगदान सरकार द्वारा लागू किये गये दिवालिया कानून के कारण है।

इस कानून में उद्यम को बंद करने एवं उसके द्वारा बैंक से ली गई रकम को वसूल करने की त्वरित व्यवस्था है। उद्योग को बंद करने को निश्चित रूप से सुगम बनाया गया है। लेकिन यह सुगमता उद्योग को बंद करने की है, न कि उद्योग को चलाने की अथवा नए उद्योग को खोलने की। विश्व बैंक ने चार अन्य कारकों में भारत की परिस्थिति में गिरावट बताई है = एक, नए उद्योग को चालू करने में लगने वाला समय, विदेश व्यापार, प्रॉपर्टी के रजिस्ट्रेशन में लगने वाला समय एवं नए बिजली कनेक्शन में लेने में लगने वाला समय। समग्र रूप से देखा जाए तो देश में व्यापार बंद करना आसान हुआ है जबकि नया व्यापार चालू करना कठिन हुआ है।

दरअसल बैंकों द्वारा उत्पादक क्षेत्रों को लोन देने की गति मंद पड़ी हुई है जो अर्थव्यवस्था की मंदी को दर्शाती है। वर्ष 16 से 18 में बैंकों द्वारा दिए गये कुल लोन में 9 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि हुई है जो सम्मानजनक दिखती है। लेकिन इसमें अधिकतर हिस्सा व्यापार यानी ट्रेड तथा पर्सनल व्यक्तिगत लोन जैसे मकान खरीदने इत्यादि के कारण है।

अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्र यानी उद्यम, पर्यटन तथा कंप्यूटर में बैंक लोन की वृद्धि दर मात्र .5 प्रतिशत प्रति वर्ष रही है। अर्थ हुआ कि अर्थव्यवस्था के उत्पादक हिस्से मंद पड़े हुए हैं। लोगों द्वारा खपत के लिए लोन लिए जा रहे हैं, न कि उत्पादन के लिए। संभव है कि लोगों की आय कम होने के कारण वे ऋण लेकर खपत कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए लोगों को फैक्टरी और कॉल सेंटर स्थापित करने के लिए लोन लेने थे। अत: व्यापार की सुगमता के सूचकांक में सुधार को अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता से जोड़ना अनुचित लगता है।

प्रधानमंत्री ने कहा है कि उनकी सरकार विकासोन्मुख और गरीबोन्मुख दोनों है। पहले विकास पर विचार करें। ज्ञात हो कि पहले आकड़ों के अनुसार यूपीए सरकार के दौरान विकास दर अधिक थी जबकि इसी सरकार द्वारा प्रकाशित नये आकड़ों के अनुसार एनडीए सरकार के दौरान विकास दर अधिक रही है। लेकिन हम दूसरे ठोस आंकड़ों को प्रॉक्सी के रूप में देख कर अर्थव्यवस्था की असल स्थिति का अंदाज़ा लगा सकते हैं। संकट इस बात में दिख रहा है कि जीएसटी की वसूली में बीते दो वर्षों में मामूली वृद्धि ही हुई है। यदि वास्तव में अर्थव्यवस्था की ग्रोथ रेट 7 प्रतिशत होती तो 5 प्रतिशत महंगाई एवं 7 प्रतिशत ग्रोथ जोड़ कर जीएसटी में वृद्धि 12 प्रतिशत होनी चाहिए थी। परन्तु जीएसटी की वसूली में वृद्धि लगभग 7 प्रतिशत ही रही है जो अर्थव्यवस्था की शिथिलता की ओर संकेत करता है।

सरकार ने रोजगार के आंकड़ों को जारी नहीं किया है लेकिन सेन्टर फॉर मोनेटरिंग इकॉनोमी की एक रपट के अनुसार जुलाई 17 में देश में बेरोजगारी दर 3.4 प्रतिशत थी जो मार्च 18 में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है।

उनका अनुमान है कि वर्तमान वर्ष में यह 6 प्रतिशत से ऊपर ही रहेगी। इसी क्रम में छोटे उद्योगों की परिस्थिति में भी सुधार नहीं दिखता है। रोजगार और छोटे उद्योगों दोनों की ही परिस्थिति कमजोर है।

हमें विचार करना चाहिए कि भ्रष्टाचार उन्मूलन, आईआईटी आईआईएम स्थापित करना, ग्रामीण विद्युतीकरण, मंगल ग्रह तक पहुंचना, किसान को रकम देना एवं सौर ऊर्जा के विकास के बावजूद उत्पादक उद्यमों, पर्यटन एवं कंप्यूटर जैसे क्षेत्रों को बैंकों द्वारा लोन कम क्यों दिए जा रहे हैं। जीएसटी की वसूली सपाट क्यों है और रोजगार और छोटे उद्योग दबाव में क्यों है?

हरियाणा की दिशा भी बतायेंगे लोस चुनाव

राजकुमार सिंह

हार-जीत हर चुनाव में महत्वपूर्ण होती है, लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव हरियाणा में राजनीतिक दलों-नेताओं का भविष्य भी तय करेंगे। पिछली बार मोदी लहर में हरियाणा में लोकसभा की 1 में से सात सीटें जीतकर चंद महीने बाद ही विधानसभा चुनाव में भी बहुमत से राज्य में सरकार बनाने वाली भाजपा पर प्रदर्शन दोहराने का दबाव साफ है। उधर मोदी लहर में राज्य-दर-राज्य सिमटती गयी कांग्रेस के लिए भी (पंजाब के बाद) हरियाणा संभावनाशील प्रदेश है। इन चुनावों में चंद माह बाद होने वाले विधानसभा चुनावों की बिसात भी बिछायी जा रही है।

दस साल के शासन के बाद अक्तूबर, 14 के विधानसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर फिसली कांग्रेस के लिए ये संभावनाएं उसकी मेहनत से कम, मुख्य विपक्षी दल इंडियन नेशनल लोकदल के विभाजन से ज्यादा जगी हैं। इनेलो-बसपा गठबंधन से हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी चुनावी चुनौती मिलने की उम्मीद थी, लेकिन चौटाला के पारिवारिक नेतृत्व वाले इनेलो (और परिवार में भी) विभाजन ने भाजपा के चेहरे पर मुस्कान लाते हुए कांग्रेस की निराशा को भी आशा में बदल दिया। विभाजन के बाद हुए जींद विधानसभा उपचुनाव में ओमप्रकाश चौटाला के बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला के परिवार द्वारा गठित जननायक जनता पार्टी का प्रदर्शन तो आशानुरूप ही रहा, लेकिन शर्मनाक प्रदर्शन ने इनेलो-बसपा गठबंधन की टूट तय कर दी। भाजपा और कांग्रेस, दोनों के लिए ही यह मुंहमांगी मुराद पूरी हो जाने जैसा है। हिसार और सोनीपत को अपवाद मान लें तो शेष आठ लोकसभा सीटों पर भाजपा-कांग्रेस में सीधा मुकाबला है। इन सीटों पर जजपा-आप गठबंधन तथा बसपा-लोसुपा गठबंधन उम्मीदवार भाजपा-कांग्रेस उम्मीदवारों की हार-जीत में भूमिका भर निभा सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी इनेलो की बदहाली का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसका एकमात्र निवर्तमान लोकसभा सांसद-सिरसा से चरणजीत सिंह रोड़ी इस बार मुख्य मुकाबले में भी नहीं है। वहां मुकाबला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक तंवर और नौकरशाह से राजनेता बनी सुनीता दुग्गल के बीच है।

पिछले चुनावों में गैर जाट सांसद चुनने वाले कुरुक्षेत्र में जाट मतदाताओं पर भरोसा करते हुए ओमप्रकाश चौटाला के छोटे बेटे अभय सिंह ने अपने पुत्र अर्जुन चौटाला को इनेलो उम्मीदवार बनाकर जोखिमभरा दांव चला है। फिर भी मुख्य मुकाबला भाजपा के नायब सैनी और कांग्रेस के निर्मल सिंह के बीच ही नजर आ रहा है। निवर्तमान सांसद राजकुमार सैनी के बागी हो जाने के कारण भाजपा को मनोहर लाल खट्टर मंत्रिमंडल के सदस्य नसीब सैनी को उम्मीदवार बनाना पड़ा है तो जिताऊ प्रत्याशी माने जा रहे नवीन जिंदल द्वारा चुनाव लड़ने से ही इनकार कर दिये जाने पर कांग्रेस को अंबाला से लाकर निर्मल को मैदान में उतारना पड़ा है। अंबाला में भाजपा-कांग्रेस, दोनों ने ही पुराने महारथियों पर दांव लगाया है। भाजपा के रतनलाल कटारिया निवर्तमान सांसद हैं तो कांग्रेस की सैलजा उन्हें अतीत में हरा भी चुकी हैं। छवि के लिहाज से सैलजा भारी हैं। वे केंद्र में कई बार मंत्री रह चुकी हैं। मुद्दे भी कटारिया के खिलाफ हैं, पर वह एक बार फिर मोदी के करिश्मे पर निर्भर हैं और आश्वस्त भी। महेंद्रगढ-भिवानी सीट पर भी पुराने प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने हैं। भाजपा ने आखिरकार निवर्तमान सांसद धर्मवीर पर ही दांव लगाया है तो कांग्रेस ने पूर्व सांसद श्रुति चौधरी पर। पांच साल में समीकरण बदले हैं। फिर भी राष्ट्रवाद के शोर में हो रहे चुनाव में सैनिकों-पूर्व सैनिकों की प्रभावी संख्या वाले इस संसदीय क्षेत्र के जनमानस की बाबत अभी तक कुछ साफ नहीं है।

करनाल की कहानी दिलचस्प है। पिछली बार भाजपा ने एक समाचार पत्र के मालिक-संपादक अश्विनी चोपड़ा को टिकट दिया था। वह जीते भी, पर न तो मतदाताओं की अपेक्षा पर खरा उतर पाये और न ही मुख्यमंत्री खट्टर से उनकी पटरी बैठी। इस बार स्वास्थ्य कारणों से वह खुद के बजाय पत्नी के लिए टिकट मांग रहे थे। भाजपा पुराने कांग्रेसी सांसद अरविंद शर्मा को भी ले आयी थी लेकिन अंतत: टिकट मिला मुख्यमंत्री के विश्वस्त एवं आसएसएस की पृष्ठभूमि वाले संजय भाटिया को। कांग्रेस ने वहां से (सोनीपत के गन्नौर से विधायक) कुलदीप शर्मा को मैदान में उतारा है। उनके पिता चिरंजीलाल शर्मा करनाल से सांसद रह चुके हैं। करनाल की छवि ब्राह्मण सीट की भी रही है, पर लगता नहीं कि कुलदीप, भाटिया को टक्कर देने से ज्यादा कुछ कर पायेंगे।

हरियाणा में जिस लोकसभा सीट को सबसे हॉट माना जा रहा है, वह है सोनीपत। ना-ना करते भाजपा ने वहां से निवर्तमान सांसद रमेश कौशिक पर ही दांव लगाया है। जाटलैंड की इस सीट पर ब्राह्मण उम्मीदवार भाजपा की गैर जाट राजनीति की रणनीति के अनुरूप भी है, लेकिन कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मैदान में उतार कर चुनाव रोचक बना दिया है। हुड्डा रोहतक-सोनीपत-झज्जर के आसपास वाली जाटलैंड के जनाधार वाले नेता माने जाते हैं, लेकिन जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के बाद उनके जनाधार की परीक्षा होनी शेष है। अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस ने हरियाणा में अपने तमाम दिग्गजों को ही चुनाव मैदान में उतार कर एक तीर से कई निशाने साधे हैं। राज्य की राजनीति में वर्चस्व के लिए आलाकमान पर दबाव बनाने वाले इन दिग्गजों को अब अपना जनाधार साबित करना होगा। सोनीपत से हुड्डा निश्चय ही दमदार उम्मीदवार हैं, लेकिन जजपा ने दिग्विजय सिंह चौटाला को उम्मीदवार बनाकर जाट राजनीति पर वर्चस्व के संघर्ष में अपना दांव भी चल दिया है। दिग्विजय की जीत भले ही दूर की कौड़ी हो, लेकिन उन्हें जितने ज्यादा वोट मिलेंगे, हुड्डा की राह उतनी ही मुश्किल हो जायेगी।

सोनीपत की तरह रोहतक में भी भाजपा ने ब्राह्मण कार्ड चला है। वहां से हुड्डा के पुत्र दीपेंद्र कांग्रेस उम्मीदवार हैं। तीन बार जीत चुके दीपेंद्र चौथी बार मैदान में हैं। जाटलैंड होते हुए भी रोहतक से दीपेंद्र की जीत में यादव-ब्राह्मण समेत गैर जाटों का योगदान रहा है, पर जाट आरक्षण हिंसा और भाजपा की गैर जाट राजनीति के बाद वह कितना बरकरार रह पाता है, चुनाव परिणाम इस पर ज्यादा निर्भर करेगा। हिसार की चुनावी जंग भी कम दिलचस्प नहीं है।

मुस्लिम धर्मगुरूओं व महिलाओं ने लगवाया वैक्सीन का टीका

हरिद्वार (संवाददाता)। ज्वालापुर के मौहल्ला कस्साबान स्थित अजीजिया पब्लिक स्कूल में आयोजित वैक्सीनेशन कैंप में 18 से 45 आयुवर्ग के लोगों को वैक्सीन का टीका लगाया गया। वैक्सीनेशन शिविर का उद्घाटन भाजपा के वरिष्ठ नेता डा.विशाल गर्ग ने किया। टीकाकरण कैंप में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मगुरूओं व महिलाओं ने टीका लगवाया। भाजपा नेता डा.विशाल गर्ग ने कहा कि विशेषज्ञों द्वारा निरंतर कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका व्यक्त की जा रही है। इससे बचाव के लिए सभी को टीकाकरण अवश्य करना चाहिए। जिससे तीसरी लहर का प्रभाव कम किया जा सके। अब्दुल सत्तार व नवाब भारती ने कहा कि डा.विशाल गर्ग द्वारा टीका लगवाने आए लोगों को टीके के महत्व को समझाया। कुछ लोगों में वैक्सीन को लेकर कई तरह की भ्रांतियां बनी रहती हैं। जागरूकता से ही टीकाकरण अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़चढ़ कर मुस्लिम समाज के धर्मगुरूओं एवं महिलाओं ने वैक्सीनेशन में प्रतिभाग किया। हाफिज़ वहीद ने कहा कि वैक्सीन जीवन रक्षक है। वैज्ञानिकों के अनुसार तीसरी लहर आने की संभावनाएं बनी हुई है। ऐसे में जागरूक होकर टीका अवश्य लगवाएं। वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। केंद्र एवं राज्य सरकार नि:शुल्क रूप से टीकाकरण कैंप आयोजित करा रही है। शाहनवाज़ सलमानी ,जुनेद, कासिफ, अंकित, गुलाम साबिर आदि ने कैंप के आयोजन में सहयोग किया।

अल्मोडा में अनेक युवाओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

अल्मोडा (संवाददाता)। विधानसभा क्षेत्र अल्मोडा-52 में हिमांशु पवार के नेतृत्व में 6 से अधिक युवाओं ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक पर पूर्ण विश्वास रखते हुये कांग्रेस का दामन थाम लिया। आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कर्नाटक ने युवाओं को कांग्रेस विचार धारा पर आस्था व्यक्त करते हुये पार्टी में जुडने के लिये उनका स्वागत अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को अंग वस्त्र पहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया। युवाओं के सम्मुख अपने सम्बोधन में श्री कर्नाटक ने कांग्रेस के इतिहास के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि कांग्रेसी एक पार्टी न होकर विचारधारा है जिस विचारधारा का आजादी से लेकर देश के विकास में अविस्मरणीय योगदान है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि इसी विचार धारा के नेतृत्व में आन्दोलनकारियों ने देश को आजाद करने के लिये अपने प्राणों की आहुति दी। कर्नाटक ने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं जब 222 में प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी की सरकार को उखाड फेंक देगी और कांग्रेस की सरकार बनायेगी। उन्होंने कहा कि आज महंगाई चरम पर है,बेरोजगारी से युवा त्रस्त हैं, संविदा/मानदेय पर नियुक्त कार्मिकों का शोषण हो रहा है, जनकल्याणकारी योजनायें बन्द की जा रही हैं, भाजपा की नीति विकास विरोधी है ये गरीबी हटाओ के स्थान पर गरीबों को मिटाओ के पथ पर चल रहे हैं तथा पूरे उत्तराखण्ड में ड्रग्स व मादक पदार्थो की तस्करी हो रही है जिससे युवा, छात्र-छात्रायें, बच्चे इसका शिकार हो रहे हैं। नशे को रोकने हेतु कोई ठोस/कडे कदम नहीं उठाये गये जिस कारण नयी पीढ़ी की पौध का अस्तित्व संकट में है। इस अवसर पर मनीष तिवारी, गौरव अवस्थी,रोहित शैली,राकेश बिष्ट, हेम जोशी, कमल उपाध्यय आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गौरव काण्डपाल ग्राम प्रधान मटेला अधार द्वारा किया गया।

पुलिस ने लगाए हाईवे पर चेतावनी बोर्ड

रुद्रप्रयाग। आम जनमानस की सुरक्षा को देखते हुए जिला पुलिस ने बदरीनाथ हाईवे पर डेंजर जोन के समीप चेतावनी बोर्ड लगाए। इन स्थानों पर बारिश के चलते बार-बार हाईवे बाधित होने का सिलसिला जारी है। ऐसे में लोगों को चेतावनी बोर्ड के माध्यम से सर्तक और जागरूक करने का काम किया गया। पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने निर्देशों पर चौकी प्रभारी जवाड़ी बाईपास दिनेश सती के नेतृत्व में पुलिस ने बदरीनाथ हाईवे पर सिरोबगड़ और नरकोट के मध्य संभावित दुर्घटना स्थलों पर चेतावनी बोर्ड लगाए। पुलिस ने कहा कि जन सुरक्षा के प्रति सदैव पुलिस तत्पर है।

वन दारोगा की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

खटीमा (संवाददाता)। उधमसिंह नगर जिले के खटीमा वन विभाग के आवासीय परिसर में बीती देर रात वन दारोगा रामप्रसाद का शव उनके कमरे में संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर मृतक वन दारोगा का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. वन विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। खटीमा वन रेंज में कार्यरत वन दारोगा रामप्रसाद का उनके कमरे में शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही खटीमा वन रेंजर राजेंद्र मनराल और एसडीओ शिवराज चंद घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। वहीं, खटीमा वन रेंजर राजेंद्र मनराल ने मीडिया को बताया कि उन्हें सूचना मिली कि खटीमा वन विभाग में कार्यरत वन दारोगा रामप्रसाद का शव उसके आवासीय कमरे में पड़ा हुआ है। इस पर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचित कर अपने उच्च अधिकारियों को भी घटना की सूचना दी।

मिठाई की दुकान में लगी आग ने पांच दुकानों को लिया चपेट में, लाखों का सामान जलकर राख

जोशीमठ (संवाददाता)। बदरीनाथ हाईवे पर चमोली बाजार में मिठाई की दुकान में अचानक आग भड़क गई। देखते ही देखते आग पूरे कांप्लेक्स में फैल गई और पांच दुकानों में लाखों का सामान जलकर राख हो गया। इस दौरान मिठाई की दुकान में रखे गैस के पांच सिलिंडरों में धमाके हुए।

करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के वाहन से आग पर काबू पाया गया। दो मंजिला कांप्लेक्स में नीचे की मंजिल की दुकानें बाल-बाल बच गईं। आग लगने का कारण मिठाई की दुकान में गैस सिलेंडर का पाइप फटना बताया जा रहा है। मौके पर पहुंचे एसडीएम अभिनव शाह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ठेकेदार संगठन ने पीडब्लूडी के दफ्तर में जड़ा ताला

-लगाया बेरोजगार करने का आरोप

पीडब्लूडी दफ्तर में ताला जड़ते ठेकेदार।

श्रीनगर (संवाददाता)। लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर की ओर से निर्माण कार्यों की बड़ी निविदाएं जारी करने के विरोध में अलकनंदा वेलफेयर ठेकेदार संगठन ने विभागीय कार्यालय पर अनिश्चितकालीन तालाबंदी शुरू कर दी है। ठेकेदारों ने कहा कि बड़ी निविदाओं से चंद लोगों को काम दिया जा रहा है। जबकि विभाग में पंजीकृत 38 से अधिक ठेकेदार बेरोजगार हो रहे हैं। जिसके कारण अब उन्हें अपने परिवार का भरण-पोषण करने में भी दिक्कत झेलनी पड़ रही है।

ठेकेदार संगठन के कर्मचारी, अध्यक्ष चिरंजीव पुंडीर के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग कार्यालय परिसर कीर्तिनगर पहुंचे। उन्होंने विभाग और शासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. गुस्साए ठेकेदारों ने कर्मचारियों को कार्यालय से बाहर कर वहां ताले जड़ दिए। परिसर में धरने पर बैठे ठेकेदारों ने कहा कि संगठन लंबे समय से बड़ी निविदाओं का विरोध कर रहा है. इसके बाद भी निर्माण कार्यों की बड़ी निविदाएं जारी की जा रही हैं। इससे ठेकेदारी पर निर्भर कई परिवारों के सामने रोटी का संकट खड़ा हो गया है। संगठन के अध्यक्ष पुंडीर ने कहा कि लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर में 38 से अधिक ठेकेदार डी श्रेणी में पंजीकृत हैं। लेकिन साढ़े तीन वर्षों से सी श्रेणी से ऊपर के चंद ठेकेदारों को काम दिया जा रहा है। जब तक निर्माण कार्यों की बड़ी निविदाओं को निरस्त कर छोटी निविदाएं जारी नहीं की जाती तब तक तालाबंदी के साथ क्रमिक धरना जारी रहेगा। इस मौके पर ठेकेदार संगठन ने एसडीएम के माध्यम से जिलाधिकारी व अधीक्षण अभियंता को मांगों का ज्ञापन भी भेजा।

आंवला खरीदने के नाम पर साढ़े पांच लाख की धोखाधड़ी, मुकदमा दर्ज

रुद्रपुर (संवाददाता)। एक फर्म से सूखा आवंला खरीदने के नाम पर पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित फर्म मालिक की तहरीर पर ट्रांजिट कैंप पुलिस ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के पर्चेज हेड और मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओम सांई वाटर एंड हर्बल सॉल्यूशन फर्म के मालिक राजेश बाम्बा ने तहरीर में बताया 6 मार्च 221 को पंतजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने इंडिया मार्ट वेबसाइट पर सूखा आंवला क्रय का विज्ञापन प्रकाशित किया था। जिसके बाद उसने पतंजलि पर्चेज विभाग से संपर्क किया। जहां उसकी बात अनुज गुप्ता से हुई। दोनों के बीच डील तय हुई.पीड़ित के मुताबिक अनुज गुप्ता ने फर्म को 7 हजार किलोग्राम सूखा आंवला 144 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदने का ऑर्डर दिया था और भुगतान सामान मिलने के तीन दिनों के भीतर करने का आश्वासन दिया था. अनुज गुप्ता उर्फ अमित ने कहा कि सामान के परिवहन का भाड़ा भी वह देंगे। जिसके बाद उन्होंने 5,84,388 रुपये कीमत का 13,865 किलोग्राम आंवला दो हिस्सों में पंतजलि के फर्म को भेज दिया था। माल भेजने के बाद जब भुगतान के लिए राजेश बाम्बा ने अमित उर्फ अनुज गुप्ता से संपर्क किया तो उसने बताया कि वह कोरोना के कारण आइसोलेट हैं. भुगतान के लिए पर्चेज हेड हेमंती से भी बात हो गई है। उनका आइसोलेशन पूरा होने के बाद भुगतान करवा दिया जाएगा। कई दिन बीतने के बाद भी वे लोग केवल टालमटोल करते रहे. इसके बाद मोबाइल स्वीच ऑफ हो गया। पीड़ित राजेश बाम्बा ने पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की. मामले में पुलिस ने पर्चेज हेड हेमंती, मैनेजर अमित उर्फअनुज गुप्ता एवं अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। एसओ विनोद फर्त्याल ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में विवेचना की जा रही है। जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग उठाई

पौड़ी (संवाददाता)। प्रादेशिक शिल्पकार कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने पौड़ी ब्लाक के असनोली गांव की दलित महिला के साथ अभ्रदता व उसके पति पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग उठाई है। समिति ने डीएम व एसएसपी पौड़ी से मुलाकात कर मामले में जल्द आरोपियों को एससी/एसटी एक्ट के तहत कड़ी सजा दिलाने की मांग की। गुरुवार को प्रादेशिक शिल्पकार कल्याण समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हीरा लाल टम्टा के नेतृत्व में पदाधिकारी व सदस्य डीएम पौड़ी विजय कुमार जोगदंडे और एसएसपी पी रेणुका देवी से मिले। इस दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि पौड़ी ब्लाक के असनोली गांव की एक दलित महिला बीते 16 अगस्त को समीप के गांव की एक दुकान में सामान लेने जा रही थी। इस दौरान तीन ग्रामीणों ने उसका रास्ता रोका। साथ ही छेड़छाड़ व अभद्रता करने लगे। जातिसूचक शब्दों का उपयोग भी किया। घटना के कुछ समय बाद महिला का पति, एक ग्रामीण के साथ अन्य लोग वहां पहुंचे।

त्रियुगीनारायण में चल रहा आंदोलन आश्वासन के बाद समाप्त

रुद्रप्रयाग (संवाददाता)। त्रियुगीनारायण में बीते 42 दिनों से चल रहा ग्रामीणों आमरण अनशन जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह के लिखित आश्वासन के बाद खत्म हो गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत के आदेश पर आमरण अनशन खत्म करने का लिखित आश्वासन ग्रामीणों को दिया। कहा कि एक महीने के भीतर अस्पताल का शासनादेश जारी कर दिया जाएगा। त्रियुगीनारायण पहुंची जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह ने आमरण अनशन स्थल पर जाकर ग्रामीणों से वार्ता की।

उन्होंने ग्रामीणों के आंदोलन को जायज बताया। कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी व स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत के आदेश पर वह आमरण अनशन को समाप्त करने के लिए अपने लिखित आश्वासन देने के लिए ग्रामीणों के बीच आई हैं। उन्होंने ग्रामीणों को पूरा सहयोग देते हुए कहा कि आपकी बेटी हूं, मांग पूरी करवाना मेरा धर्म और नैतिक कर्तब्य है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने आमरण अनशन पर बैठे लोगों के लिए कहा कि नौजवान हमारा भविष्य है, समाज को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। जो अपनी जान को दांव पर लगाकर समाज हित के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने लिखित आश्वासन देकर ग्रामीणों से एक माह में शासनादेश जारी होने का वादा किया। उन्होंने कहा कि जो यात्रा कालीन एमआरपी पोस्ट है, उसे अस्पताल के शासनादेश जारी होने तक यथावत रखा जाएगा। वहीं दूसरी ओर आमरण अनशन के चौथे दिन 3 लोगों की तबीयत बिगड़ी जिन्हें, शीघ्र पुलिस बल के साथ अति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फाटा ले जाया गया। जिनमें मंगलदीप गैरोला, रामचंद्र सेमवाल, विश्रवा कुमांचली।

वहीं इसके बाद देवेंद्र सेमवाल, सरोज देवी, शांति देवी, पंकज तिवारी आमरण अनशन पर बैठे। पूर्व जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता वीर सिंह बुडेरा भी त्रियुगीनारायण पहुंचे।

आमरण अनशन पर बैठने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान सांसद तीरथ सिंह रावत से वार्तालाप की। ग्रामीणों ने बुडेरा से अनुरोध किया कि फिलहाल ग्रामीण आमरण अनशन पर बैठ रहे हैं। जब उनकी जरूरत पड़े तो वह सूचना मिलते ही ग्रामीणों के बीच पहुंच जाएंगे।

अमेरिका में इलाज करवा रहे ऋषि कपूर को भी हुई थी वोट डालने की इच्छा

लोकसभा चुनाव 219 के चौथे चरण के तहत सोमवार 29 अप्रैल को सुबह से ही बॉलीवुड सितारे मतदान में हिस्सा लिया था। इस बीच प्रसिद्ध अभिनेता ऋषि कपूर ने मतदान से जुड़े दर्द को सोशल मीडिया के जरिए बया किया था।

जी हां, अगर आप सोच रहे हैं कि ऋषि कपूर को भला मतदान से जुड़ा क्या दर्द होगा। तो हम आपको बता दें कि, ऋषि कपूर भारत में नहीं हैं और इस कारण वे मतदान नहीं कर सके हैं। इसको लेकर ऋषि कपूर ने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर की थी।

इसमें उन्होंने भारत के तिरंगे की तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा था कि, न्यूयॉर्क में इंडियन कंसूलेट ऑफिस को फोन किया था यह पूछने के लिए कि यहां पर वोट करने की कोई सुविधा है क्या। लेकिन नहीं थी। आप जहां पर भी हों कृपया अपना वोट देना न भूलें। जय हिंद। वंदे मातरम।

आपको बता दें कि, ऋषि कपूर का कई महीनों से मेडिकल ट्रीटमेंट न्यूयॉर्क में चल रहा है।

इस कारण वे भारत नहीं आ सके और मतदान करने से वंचित रह गए। हमने आपको बताया था कि, ऋषि कपूर भले ही न्यूयॉर्क में हो लेकिन लोकसभा चुनाव के माहौल के बीच वे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहे। कुछ दिन पहले उन्होंने उन्होंने एक बीजेपी नेता और प्रवक्ता संबित पात्रा के पक्ष में ट्विट किया था। ऋषि ने लिखा था - आने वाले चुनावों के लिए अपने मित्र संबित पात्रा की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं।

खैर ऋषि कपूर से जुड़ी अपडेट्स उनती पत्नी नीतू कपूर सोशल मीडिया के माध्यम से देती रहती हैं। हाल ही में नीतू कपूर ने कुछ तस्वीरें शेयर की थी जिसमें ऋषि के साथ नीतू कपूर और बेटे रणबीर कपूर नजर आ रहे थे।

इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि, ऋषि कपूर के चेहरे में काफी बदलाव आया है। और उन्हें देखकर लग रहा है कि वे किसी गंभीर बीमारी का इलाज करवा रहे हैं।

जानिये भारतीय फ़िल्म के पितामह दादा साहब फाल्के से जुड़ी ये ख़ास बातें

भारतीय फ़िल्म के पितामह दादा साहब फाल्के आज भी एक मिसाल की तरह याद किये जाते हैं। दादा साहब फाल्के का जन्म 3 अप्रैल 187 को त्रयंबकेश्वर, नासिक में एक मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका मूल नाम धुंडीराज गोविंद फाल्के था। उन्हें बचपन से ही कला के प्रति एक समर्पण भाव था।

15 साल की उम्र में उन्होंने उस ज़माने में मशहूर मुंबई के जे.जे स्कूल ऑफ़ आर्ट्स में दाखिला लिया। फिर उन्होंने महाराजा सायाजीराव यूनिवर्सिटी में दाखिला लेकर चित्रकला के साथ फोटोग्राफी और स्थापत्य कला की भी विधिवत शिक्षा ली। गौरतलब है कि भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उनकी 25 वीं पुण्यतिथि पर यानी साल 1969 में उनके नाम पर फाल्के अवॉर्ड शुरू किया। भारतीय सिनेमा का यह सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है जो उन हस्तियों को दिया जाता है, जो सिनेमा जगत में उल्लेखनीय योगदान देते हैं। साल 1969 में पहला दादा साहब फाल्के पुरस्कार अभिनेत्री देविका रानी को दिया गया था। पिछले साल यह प्रतिष्ठित पुरस्कार विनोद खन्ना को दिया गया है! दादा साहब के नाम पर भारत सरकार ने साल 1971 में डाक टिकट भी जारी किया था!

पहली मूक फ़िल्म 'राजा हरिश्चंद्र' के बाद दादासाहब ने दो और पौराणिक फ़िल्में 'भस्मासुर मोहिनी' और 'सावित्री' बनाई। 1915 में अपनी इन तीन फ़िल्मों के साथ दादासाहब विदेश चले गए। लंदन में इन फ़िल्मों की बहुत प्रशंसा हुई। कोल्हापुर नरेश के आग्रह पर 1938 में दादासाहब ने अपनी पहली और अंतिम बोलती फ़िल्म 'गंगावतरण' बनाई। फाल्के के फ़िल्म निर्माण के प्रयास और फ़िल्म 'राजा हरिश्चंद्र' के निर्माण पर मराठी में एक फीचर फ़िल्म %हरिश्चंद्राची फॅक्टरी% 21 में बनी, जिसे देश विदेश में सराहा गया।

साल 1944 में दादा साहेब फाल्के ने अंतिम बार फ़िल्म बनाने की इच्छा ज़ाहिर की थी। उस समय ब्रिटिश राज था और फ़िल्म बनाने के लिए फ़िल्मकारों को लाइसेंस लेना पड़ता था।

जनवरी 1944 में दादा साहेब ने लाइसेंस के लिए अंग्रेज़ी हुकूमत को एक चिट्ठी लिखी। 14 फ़रवरी 1944 को जवाब आया कि आपको फ़िल्म बनाने की इजाज़त नहीं मिल सकती। कहा जाता है कि उस दिन उन्हें ऐसा सदमा लगा कि दो दिन के भीतर ही वो चल बसे। लेकिन, आज भी हिंदी सिने जगत दादा साहब फाल्के का नाम पूरे सम्मान से लेता है और भारतीय सिनेमा के आकाश पर उनका नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज़ है।

बालीवुड संक्षिप्त

करण जौहर ने अक्षय कुमार पर था काजोल का क्रश

करण जौहर और काजोल बॉलिवुड के सबसे पुराने दोस्तों में से एक है। दोनों की दोस्ती ने वक्त के साथ कई उतार-चढ़ाव भी देखे हैं। करण जौहर और काजोल ने साथ में कई फिल्में भी की हैं। अब एक चैट शो में करण और काजोल ने एक-दूसरे के बारे में कई दिलचस्प बातें बताई हैं। करण जौहर ने खुलासा किया कि सालों पहले काजोल का अक्षय कुमार पर क्रश था। हाल ही में करण और काजोल एक साथ एक चैट शो में हिस्सा लिया। जब दोनों से पूछा गया कि उनकी दोस्ती की शुरुआत कैसे हुई थी तो करण और काजोल ने एक-दूसरे के बारे में दिलचस्प खुलासे किए। काजोल ने बताया कि उन्होंने जब पहली बार करण को देखा था तो वह थ्री-पीस सूट में थे। तब काजोल ने उनके फैशन सेंस का खूब मजाक उड़ाया था। इसके बाद करण ने बताया कि उनकी अगली मुलाकात फिल्म हिना के प्रीमियर पर हुई थी। तब काजोल का अक्षय कुमार पर क्रश था और वह पूरे समय उन्हें ढूंढती रही थीं। करण भी अक्षय कुमार को ढूंढने में काजोल की मदद कर रहे थे। इस तरह दोनों की दोस्ती की शुरुआत हुई थी। काजोल और करण जौहर ने पहली बार फिल्म ये दिल्लगी में काम किया था।

कान फिल्म फेस्टिवल में जाने को तैयार हिना खान

टेलिविजन ऐक्ट्रेस हिना खान मई में कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर चलने को तैयार हैं। वह अपनी डेब्यू फिल्म लाइंस का फर्स्ट लुक रिलीज करेंगी जिसका डायरेक्शन हुसैन खान ने किया है। हिना ने बताया, पिछले कुछ वर्षों से बिजी शेड्यूल के कारण मैं किसी फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा नहीं हो सकी जबकि मैं एक सिनेमा लवर हूं। अब मुझे लगता है कि इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता है कि मैं अपनी फिल्म के साथ जाऊं और पहली बार इसे फेस्टिवल में प्रेजेंट करूं। हिना ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपने प्रॉजेक्ट्स के साथ कांस जाना जारी रखूंगी क्योंकि यह एक ऐसा प्लैटफॉर्म है जिससे आपको इंटरनैशनल अटेंशन मिलता है। अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह एक सिंपल, दिल को छूने वाली मजबूत कहानी है। यह बताती है कि हम में से ज्यादातर लोग बिना किसी कारण दूसरे की लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं, हमारे खुद के परिवारों को परिणाम भुगतने के लिए छोड़ दिया जाता है।

द गर्ल ऑन द ट्रेन के लिए परिणीति चोपड़ा को पीनी पड़ेगी शराब?

परिणीति चोपड़ा साल 215 में आई थ्रिलर द गर्ल ऑन द ट्रेन के हिंदी रीमेक में नजर आने वाली हैं. यह फिल्म पॉला हॉकिन्स की बेस्ट सेलर किताब द गर्ल ऑन द ट्रेन पर आधारित है. स्टीवन स्पिलबर्ग्स ने इस किताब को फिल्म की शक्ल दी थी. इस फिल्म में एमिली ब्लंट लीड रोल में थीं. हिंदी रीमेक में परिणीति शराब की लत में डूबी तलाकशुदा महिला के रोल में नजर आएंगी जो एक गुमशुदा शख्स की तलाश की तहकीकात में शामिल हो जाती है. ये फिल्म ऋभु दासगुप्ता के डायरेक्शन में बनने वाली है.

जल्द आएगी एक था टाइगर की तीसरी फिल्म, लिखी जा रही है स्क्रिप्ट

सलमान खान और अली अब्बास जफर की फिल्म भारत जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर आने के बाद से ही सलमान फैन्स इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इसी के साथ ही फैन्स के लिए एक और खुशखबरी है। फिल्ममेकर्स जल्द ही एक था टाइगर 3 बना सकते हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार अली अब्बास जफर ने एक था टाइगर की तीसरी फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। खबरों की मानें तो उन्होंने यह प्रॉजेक्ट शुरू कर दिया है और अभी इसकी स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। अब्बास का यह भी कहना है कि सलमान खान भी इस प्रॉजेक्ट के लिए काफी एक्सइटेड हैं।

दीपिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया एक रोमांटिक नोट

फेमस टीवी शो दीया और बाती हम से घर-घर में मशहूर हुई आईपीएस ऑफिसर संध्या राठी यानी ऐक्ट्रेस दीपिका सिंह न सिर्फ एक बिंदास मां हैं, बल्कि एक प्राउड वाइफ भी हैं। सार्वजनिक रूप से अपने पर्सनल लाइफ के बारे में बात करने से परहेज करने वाली दीपिका ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने पति के लिए एक रोमांटिक नोट शेयर किया है। दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किए गए पोस्ट में अपनी एक खूबसूरत तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें वह बीच पर पर अपने पति का हाथ पकड़े हुए दिख रही हैं।अपने पोस्ट को कैप्शन देते हुए दीपिका ने लिखा, जब मैं आपको देखती हूं तो मुझे काफी चीजें दिखाई देंती हैं, मेरे सबसे अच्छे दोस्त, मेरी आत्मा, मेरे सीक्रेट होल्डर, मेरे आंसू रोकने वाले, मेरे भविष्य रोहित राज गोयल।'

सफेद टॉप और डेनिम्स में दीपिका काफी स्टनिंग लग रही हैं। उनका यह लुक छोटे पर्दे पर उनके कैरक्टर संध्या राठी के लुक से काफी अलग है। मई 217 में अपने बच्चे को जन्म देने के बाद दीपिका ने अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान दिया है। ऐक्ट्रेस ने काफी वजन गेन कर लिया था, जिसे कम करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है।

हालिया तस्वीर में दीपिका की मेहनत साफ तौर पर दिख रही है। अपना वजन काफी कम करने के बाद वह टीवी पर वापसी करने वाली हैं। दीपिका जल्द ही कवच के दूसरे सीजन में संध्या के रूप में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। पॉप्युलर ऐक्टर नमिक पॉल और विन राणा भी इस शो का हिस्सा हैं। कवच 2 का प्रोमो भी जारी हो चुका है। शो के पहली सीजन नें मोना सिंह और विवेक दहिया लीड रोल में दिखे थे।

गर्मी के मौसम में शॉपिंग को यूं बनाएं खास

जब आप कपड़ों की खरीददारी के लिए जाते हैं, तो उस समय आपकी शानदार ड्रेसिंग सेंस आपकी मददगार बन जाती है। इसलिए हर मौसम के अनुसार खुद के ड्रेसअप पर ध्यान दें। आज के दौर में जिंदगी जरूर पहले की तुलना में फास्ट हो चली है, लेकिन फैशन से लोग कतई समझौता नहीं करते। गर्मी के मौसम में आप वर्कप्लेस पर जाते हैं, तो भी आपको फैशन का ध्यान रखना होता है। कलर्स के अनुसार ऐसे कपड़ों के रंगों को चुनना होता है, जो मौसम के अनुसार आप पर जचें।

बाजार में है विकल्पों की भरमार

होम मेकर सीमा सहाय कहती हैं कि गर्मी के मौसम के अनुसार शॉपिंग करना आसान नहीं होता है, तब और जब बाजार में विकल्पों की भरमार हो। ऐसे में आपको अपने मूड को समझते हुए सही चीजों को चुनना एक चुनौती होती है। वहीं, होममेकर दीपिका गर्ग कहती हैं कि बच्चों के कपड़ों को लेकर काफी मशक्कत करनी होती है। हालांकि नए दौर में मार्केट में एक से बढ़कर एक विकल्प मौजूद हैं, लेकिन बच्चों को ये पसंद भी तो आने चाहिए। वे काफी चूजी नेचर के होते हैं और उन्हें लेटेस्ट फैशन के अनुसार ही कपड़े चाहिए होते हैं।

कॉटन और शिफॉन फैब्रिक है गर्मी के लिए

फैब्रिक और प्रिंट्स की बात करें, तो गर्मियों को देखते हुए कपड़ों में कॉटन और शिफॉन जैसे फैब्रिक्स में ड्रेसेज मार्केट में मौजूद हैं जिनमें नेट का यूज भी किया गया है। फ्लोरल प्रिंट्स ड्रेस में देखने को मिल जाएंगे। मेल्स के लिए भी कपड़ों की लंबी रेंज है।

टी-शर्ट, शर्ट और कुर्तों में काफी कुछ ट्राई कर सकते हैं। बच्चों के लिए कुछ खरीदना चाहते हैं, तो उनके लिए भी एक से बढ़कर एक फैशनेबल ड्रेसेज मिले जाएंगी।

ड्रेसेज के अलावा बच्चों के लिए स्टाइलिश अक्सेसरीज तक मार्केट में हैं। उनके लिए कैप्स, सनग्लासेज, अम्ब्रेला, फुटवेअर्स वगैरह खरीदे जा सकते हैं। सीजन कोई भी हो अगर डिस्काउंट मिल जाए तो क्या कहने। समर शॉपिंग के दौरान आपको डिस्काउंड पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

शॉपिंग टिप्स

- गर्मी में हल्के रंग के कपड़े ही चुनें। इससे आपको राहत महसूस होगी और आसपास लोगों की आंखों में भी यह नहीं चुभेगा।

- कॉटन के कपड़ों को प्राथमिकता दें। ये पहनने में सुविधाजनक होते हैं, साथ ही गर्मी के दिनों में पसीने को आसानी से सोख लेते हैं।

- फैशन अपनी जगह है, लेकिन बहुत ज्यादा टाइट कपड़ों को खरीदने से बचें। कोशिश करें कि गर्मी के दिनों में ढीले कपड़े ही पहनें।

- गर्मी के दिनों में कढ़ाई या स्टोन वर्क वाले कपड़े सही नहीं होते हैं। इनमें ज्यादा गर्मी लगेगी। इसलिए ऐसे कपड़ों को न खरीदें।

- शॉपिंग का सबसे अच्छा तरीका अकेले शॉपिंग करने का है। ऐसे में आप अपनी पसंद को पूरी तरजीह दे सकते हैं।

- आप किसी भी ड्रेस को पसंद कर रहे हैं, तो इसके मल्टीपल यूज को ध्यान में रखकर ही खरीददारी करें।

ब्लडप्रेशर को नियंत्रित कर हृदयगति को रखना है सही तो खाएं गुणों से भरपूर लीची

फलों में आम, सेवफल, केले आदि के सेहत लाभ तो सभी को पता होते है, लेकिन कम ही लोग होते हैं जिन्हें रसीले फल लीची के अनमोल सेहत लाभ पता हो। तो आइए, हम आपको बताते हैं लीची के 11 बेहतरीन फायदे -

1.विटामिन, मिनरल्स, एंटी-ऑक्सीडेंट और डायट्री फाइबर से भरपूर लीची आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी फल है, जिसमें 66 कैलोरी प्रति 1 ग्राम की मात्रा में उपलब्ध होती है।और इसमें सैच्युरेटेड फैट या संतृप्त वसा बिल्कुल भी नहीं होता।

2. लीची में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर हृदय-गति और खून की चाल को नियंत्रित करता है, जिससे हृदय रोग या अटैक की संभावना कम होती है।

3. इसमें कॉपर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो लाल रक्त कणिकाओं का निर्माण करता है।

4. लीची में एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाए रखने में सहायक हैं।

5. लीची में विटामिन- सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। प्रति 1 ग्राम लीची में विटामिन-सी की मात्रा 71.5 मिलीग्राम होती है, जो प्रतिदिन की आवश्यकता का 119 प्रतिशत है।

6. बी-कॉम्प्लेक्स और बीटा कैरोटीन से भरपूर लीची, फ्री रेडिकल्स से रक्षा करती है, साथ ही मेटाबॉलिज्म को भी नियंत्रित करती है।

7. ऑथ्राईटिस में लीची खाने से लाभ होता है और दमा के मरीजों के लिए भी लीची बेहद लाभदायक फल हैइसके अलावा यह रक्तसंचार को बेहतर करने में सहायक है।8. लीची में एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाए रखने में सहायक हैं। इसके साथ ही लीची, सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाव करने में भी लीची बेहद फायदेमंद है।

9. इसमें मौजूद फाइबर की अत्यधिक मात्रा आपके पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के साथ ही सीने और पेट की जलन को भी शांत करती है।

आपाधापी में कुछ छूटने-टूटने की टीस

सुरेश सेठ

पंजाब के शहरों से लेकर दूर गांवों और कस्बों तक घूम आता हूं। शहरों में चुनाव प्रचार की धमक शुरू हो गई है, लेकिन गांवों से लेकर शहरों तक कहीं ढोल की धमक नहीं सुनी। चाहे विदाई हमने विदा कर दी। शहरों के विरासती अखाड़े अब मस फूटते नौजवान मल्लों की हुंकार से नहीं गूंजते। उधर, गांवों में, कस्बों में, भांगड़ा नाचते पंजाबियों के कदमों की धमक मंद पड़ गई है। खेतों में फसलें लहलहा रही हैं। मौसम की बेवफाई का संताप भी झेल रही हैं। मौसम बेमौसम हो जाता है। फसलें फिर बेवफाई से सहमने लगती हैं। किसानों के चेहरे उतर जाते हैं। कहां गए पंजाब के मेले-ठेले? यहां-वहां लगने वाली पशु मंडियां?

अब तो जैसे शहरों ही नहीं, गांवों तक में एक अजब-सी भागदौड़ और आपाधापी है। गांवों की छतों पर भी डिश एंटिना नजर आने लगे हैं लेकिन अब कोई गुरशरण सिंह रात को अपनी नाटक मंडली के साथ बैलगाड़ियों को अस्थाई मंच बना नुक्कड़ नाटक नहीं खेलता। वक्त बदल गया। जगराते, माता की चौकियां और शोभायात्राएं तो बदलते शहरों का श्रृंगार बन गईं।

पटियाला से गुजर जाओ, कहीं टिप्परी नाचते नौजवान नजर नहीं आते। हवाओं में 'जय श्रीराम' की धमक गूंजती है। लेकिन युवा पीढ़ी इस धमक से उत्तेजित नहीं, उदास नजर आती है क्योंकि उनके लिए रोजगार दिलाऊ दफ्तरों की खिड़कियां खटखटाने पर भी नहीं खुलतीं। बेरोजगार शिक्षित नौजवानों के हाथ में लार्ड मैकाले की शिक्षा प्रणाली से मिली हुई डिग्रियां, उनकी बैसाखियां नहीं बन पातीं। महानगरों में कॉरपोरेट सेक्टर की धूम है। पटियाला से अमृतसर तक घूम जाइए। यहां-वहां मॉल-प्लाजाओं ने सिर उठा लिए। लेकिन पटियाला के परांदा बाजार और जुत्ती बाजार क्यों उखड़े-उखड़े नजर आते हैं? बड़े-बड़े व्यावसायिक घरानों ने अपनी स्वचालित मशीनों की सहायता से आर्थिक विकास दर को बढ़ा दिया।

पुराने सिनेमाघर खंडहरों में तबदील हो गए। जमाना सिंगल स्क्रीन का नहीं, मल्टीपल स्क्रीन वाले पी.वी.आर. का आ गया। लोग खर्चीली टिकटों के साथ 2 रुपये का पापकार्न खाते हुए आधुनिक हो रहे हैं। सड़कों पर भट्ठी वालियां अब मकई के दाने भूनती नजर नहीं आतीं। कोई शिव कुमार बटालवी नहीं कहता, 'भट्ठी वालिए मेरी दर्द दा परागा भुन्न दे।' पंजाबियत के नारे जिंदा हो रहे हैं। युग संस्कृति का चेहरा उधड़ रहा है। गरीब और गरीब हो गए। डिग्रीधारी को और व्यर्थ कर दिया गया। उन्हें भला मेले-ठेलों में जाकर दंगल की हुंकार लगाने की फुर्सत कहां? बलवंत सिंह और जगदीश चंद्र के उपन्यासों की कथा भूमि गांवों में नजर नहीं आती। अधिक से अधिक वहां मेला लगता है तो परिवार नियोजन मेले जहां 'दो बूंद ज़िंदगी की' जैसे बोर्ड चमकते हैं। महंगाई और भ्रष्टाचार युग बदलने के नारों के बावजूद अभी भी दैनिक जीवन में दनदनाते हैं।

पब्लिक स्कूल कल्चर की जगह सरकारी स्कूलों ने नहीं ली। जबकि पिछले दिनों वायदा किया गया था कि सरकारी स्कूलों में छात्रों के दाखिले बढ़ाए जाएंगे और पब्लिक स्कूलों की दुकानदारी के पंख कतरने का प्रयास होगा। लेकिन पंजाब में न नई शिक्षा नीति, न आपरेशन ब्लैक बोर्ड ने कोई नया माहौल सृजित किया है और न ही शिक्षा का संवैधानिक अधिकार। चाहे पंजाब ने यह पहले स्वीकार किया था लेकिन यह निर्धन छात्रों के द्वार तक नहीं जा सका।

देशभर के नौजवानों में बेरोजगारी की दर बढ़ती जा रही है। स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया-2018 की बेरोजगारी रिपोर्ट आ गई है, जो इंटरव्यू के लिए दर-दर भटकते नौजवानों को बताती है कि कई सालों तक बेरोजगारी दर 2 से 3 प्रतिशत के आसपास रहने के बाद साल 2015 में 5 प्रतिशत तक पहुंच गई और देश के युवक जो देश की कुल आबादी का आधा भाग हैं, उनमें बेरोजगारी की दर 16 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। याद रखा जाए कि जी.डी.पी. में दस प्रतिशत की वृद्धि हो जाए तो रोजगार में एक प्रतिशत से भी कम की वृद्धि होती है। अंतिम आंकड़े सामने आ रहे हैं। पिछले तीन वर्ष से नये युग के दावों के बावजूद देश की विकास दर 7 प्रतिशत तक ठिठकी हुई है। इसका अर्थ कि कुल रोजगार में एक प्रतिशत भी वृद्धि नहीं हुई।

कई दूसरे जानकार भी बताते हैं कि देश में बेरोजगारी दर पिछले दो दशक में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई लेकिन आज की सरकार इस ऊंचे स्तर को स्वरोजगार के नारों से झुठलाती है। मुद्रा योजना की सार्थकता की पुनः-पुनः घोषणा होती है और काम मांगते नौजवान के हाथों में उतने पैसे भी नहीं बंट पाते, जितने बजट में आवंटित हुए थे। शहर-शहर घूमता हूं, नौजवानों की आंखों में उदासी के साये हैं। अपने छात्रों को सब्जी की दुकानें और रिक्शा चलाते हुए देखता हूं। सड़कों के किनारों पर होली के अवसर पर अब होलिका नहीं जलती। वे अब क्या अपनी डिग्रियों की होली जलाएंगे? नये जीवन के उत्साह से छूटते जा रहे हैं नौजवान। सांस्कृतिक चेतना पर भूख की चेतना हावी हो रही है।

रोजगार मुहैया करवाने का जिक्र अभी भी रोजगार नीतियों की बंद फाइलों का कैदी है। अजब तर्क है कि घुसपैठियों के कारण स्थानीय लोगों का रोजगार छिना, इसलिए घुसपैठ रोकेंगे। शहरों में पंजाब से लेकर जम्मू तक अजनबी लोगों की बस्तियां उभर आई हैं। इनमें प्रवासी श्रमिकों से लेकर रोहिंग्या मजदूर तक हैं। संस्कृति के नाम पर फैशन शो होते हैं और लोकगीतों के नाम पर ऐसी बेढब, बेतुकी अश्लीलता परोसी जा रही है कि कला-संस्कृति के पहरूए उसके विरुद्ध आवाज उठाते हुए भी उससे लोहा लेने का प्रयास नहीं करते, केवल अकादमिक निंदा के प्रस्ताव पास करते हैं।

देश और पंजाब के नौजवानों में राष्ट्रवाद और सेना के पराक्रम पर लोगों का ध्यान केंद्रित किया जा रहा है लेकिन साथ ही इसमें से रोजगार का रास्ता सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी से निकाला जाता है।

देश की नई सरकार के चाहवान कहते हैं कि अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए 22 सेक्टरों की पहचान करेंगे, जिससे रोजगार बढ़ेगा। लेकिन असल सेक्टर तो एक ही है, जिसके अधीन पंजाब के गांवों और कस्बों में लघु और कुटीर उद्योगों के द्वारा दरियां बुनी जाती थीं, बर्तन बनाए जाते थे। गन्नों से गुड़ गढ़ा जाता था, जिसे चीनी से अधिक सेहतमंद बताया जाता था।

खाली पेट पानी पीओ और लंबा जियो...

रोज सुबह तांबे के जग या गिलास में रखा पानी आपको तरोताजा तो रखेगा ही कई बीमारियों से भी बचाएगा.

खाली पेट पानी आपके पेट की गंदगी को जल्द बाहर करता है. पानी हमारे शरीर में ऊर्जा प्रदान करता है.

पानी की कमी हमें जल्दी थका देती है. पानी एक प्रकार से आपको ऑक्सीजन भी प्रदान करता है.

जब आप अधिक थक जाते हैं तो आपका शरीर और गला सूख जाता है और आपको लगता है कि यदि पानी मिल जाए तो जान में जान आ जाए. क्या आप यह भी जानते हैं कि अगर आप सुबह के समय रोजाना खाली पेट पानी पिएं तो आपकी कितनी बीमारियां दूर हो सकती हैं?

कई सारी बीमारियां हमारे पेट से ही जन्म लेती हैं और अगर आप खाली पेट पानी पिएंगें तो आप इस खतरे को काबू में करने का पहला कदम उठाएंगे.

सुबह खाली पेट पानी पीने का चलन जापान के लोगों ने शुरू किया था. वहां के लोग सुबह होते ही, बिना ब्रश किए चार गिलास पानी पी जाते हैं.

इसके बाद वे आधा घंटे तक कुछ भी नहीं खाते. इसे वहां ये लोग वॉटर थेरेपी ट्रीटमेंट कहते हैं. यह वॉटर थैरेपी उन्हें स्वस्थ रखने में मदद करती है.

इसमें कोई दो राय नहीं है कि जापानी लोग विश्व के सबसे ऊर्जावान और कुशल लोगों में से एक हैं. सुबह खाली पेट पानी पीने के कई सारे लाभ हैं.

अगर आप ऐसा करने की सोंच रहे हैं तो, कोशिश यही करें कि पानी हल्का सा गुनगुना हो, जिससे बाद में आप जो भी तले पदार्थ खाएं, वह वसा के रूप मे शरीर में जम न पाए.

1. पेट साफ रखे: जब आप बहुत सारा पानी पिएंगे तब आपको अपने आप ही टॉयलेट जाने की इच्छा होने लगेगी.

अगर ऐसा रोजाना करेंगे तब आपके पेट का सिस्टम गंदगी को बाहर निकालने लगेगा और आपका पेट साफ हो जाएगा.

2. शरीर से गंदगी बाहर निकाले : पानी

शरीर से हर प्रकार की गंदगी को बाहर निकाल देता है. जब आप ढेर सारा पानी पी कर पेशाब करते हैं, तब आपका शरीर गंदगी से छुटकारा पा लेता है.

3. भूख बढ़ाए : पानी पी कर जब आपका पेट साफ हो जाता है, तब आपको तेज भूख लगती है. इससे आपका सुबह का ब्रेकफास्ट अच्छा होता है.

4. सिरदर्द दूर रखे : कई बार हमारे शरीर के अंदर पानी की कमी की वजह से सिर में दर्द शुरू हो जाता है. इसलिए कोशिश करें कि सुबह खाली पेट पानी पिएं.

5. मेटाबॉलिज्म बढ़ाए : पानी पीने से आपके शरीर का मेटाबॉलिज्म 24 फीसद तक बढ़ सकता है.

इसका मतलब है कि आप खाने को जल्द पचा सकेंगे और इसी के साथ थोड़ा वजन भी कम कर सकेंगे.

6. खून बनाए : खाली पेट पानी पीने से रेड ब्लड सेल्स जल्दी-जल्दी बढ़ने लगते हैं.

7. वजन घटाए : अगर आप वेट लॉस डाइट कर रहे हैं तब आपको खाली पेट पानी जरूर पीना चाहिए. इससे शरीर से खराब ट्रांस फैट बाहार निकल कर शरीर का फैट मैटोबॉलिज्म बढ़ता है.

8. चेहरा बने चमकदार : चेहरे पर निकलने वाले कील-मुंहासे पानी पीने से साफ हो जाएंगे. एक बार जब आपका पेट साफ रहने लगेगा तब यह बीमारी अपने आप ही ठीक हो जाएगी.

9. रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए: शरीर को बैलेंस करने के लिए पानी अति आवश्यक तत्व है. इससे आपका शरीर रोग से लड़ने में बलवान हो जाएगा.

बढती उम्र में भी रहें फिट और हेल्थी

महिलाओं को फैमिली के साथ-साथ अपनी हेल्थ का भी ख्याल रखना चाहिए। बढती उम्र के साथ पुरूष् की तुलना में महिला की बॉडी में कई ऐसे चेंजेस होते हैं, जिन पर अगर वक्त रहते ध्यान ना दिया जाए, तो वे परेशानी का सबब बन सकते हैं। ऐसे में पहले से ही थोडी-सी जानकारी रखी जाए और सिमटम्स दिखने पर वक्त पर चिकित्सक से सलाह लें।

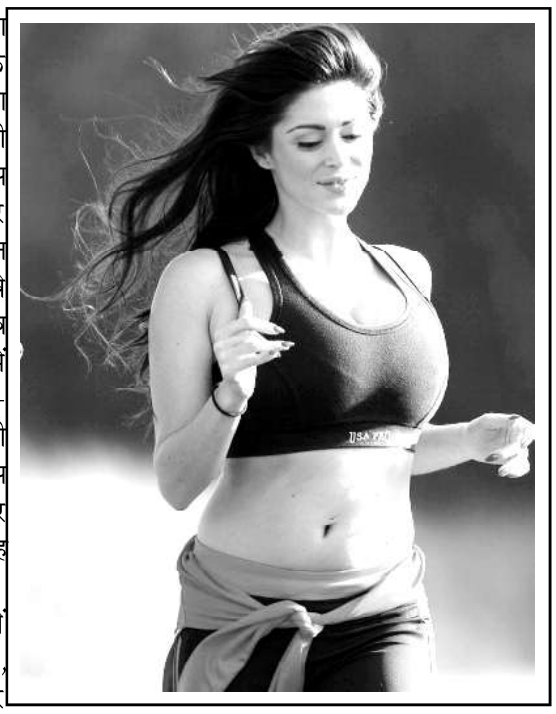

रूटीन डाइट में खास तौर से आयरन, विटामिन्स और मिनरल्स, प्रोटीन और कैल्शियम वाली चीजें जरूर होनी चाहिए। इसके अलावा अगर आप वर्किंग वुमन हैं, तो आपकी डाइट और भी अधिक न्यूट्रीशियस होनी चाहिए। कोशिश करें कि डाइटीशियन से राय लें और फिर डाइट चार्ट के अनुसार प्रॉपर डाइट लें।

सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी है लेकिन अक्सर महिलाएं बच्चों और पति को तो नाश्ता करवा देती हैं, लेकिन इस बीच वह खुद अपने लिए वक्त नहीं निकाल पाती और दिन की सबसे महत्वपूर्ण डाइट नाश्ते से वंचित रह जाती है। ऐसा ना करके खुद भी पौष्टिक नाश्ता करना चाहिए, जिसमें वे स्प्राउट्स, दूध में बना दलिया या फिर अन्य कोई हैवी चीज भी ले सकती हैं।

नाश्ते और दोपहर के खाने के बीच कम से कम 4 घण्टे का गैप तो होता ही है, तो ऐसे में आप कुछ हल्की-फुल्की चीज जरूर लें। लंच में जिंक की मात्रा होनी चाहिए, जो कि पालक या ब्रोकली जैसी हरी सब्जियों में होती है। सलाद को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं। डिनर हल्का ही लें। सादी रोटी के साथ कम मसाले वाली सब्जी और एक दाल पर्याप्त है। इसके अलावा पूरे दिन वेजीटेबल और फ्रूट सलाद के लिए भी एक टाइम निश्चित करें।

वर्कआउट से पहले जूस, दलिया और केले लें, तेजी से कम होगा वजन

नियमित खानपान और नियमित जीवनशैली से स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है, लेकिन वसायुक्त आहार और जंक फूड खाने से कई लोग मोटापे के शिकार हो जाते हैं. मोटापे के और भी कई कारण हो सकते हैं जैसे हार्मोन्स में परिवर्तन होना, अनिद्रा, अनियमित जीवनशैली आदि. अगर वजन कम करना है तो शरीर से फैट घटाना ही पड़ेगा और शरीर से वसा कम करने का सबसे सही तरीका व्यायाम ही है. अगर मोटापा जल्द कम करना है, तो वर्कआउट से पहले हाई कार्ब वाली चीजें, प्रोटीन और पोटैशियम युक्त चीजें खानी चाहिए,

क्योंकि ये सभी शरीर में तेजी से टूटकर उर्जा में परिवर्तित हो जाते हैं.

जब जिम में वर्कआउट या व्यायाम करते समय पसीना बहता है तो उसके साथ शरीर से एनर्जी भी जाती है. इसलिए वर्कआउट कभी भी बिना कुछ खाए नहीं करना चाहिए.

सुबह वर्कआउट करने से 1 घंटे पहले कार्बोहाइड्रेट से युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें. इसमें कम वसा वाली चीजें जैसे अंजीर, पीनट बटर, दही, केला आदि शामिल हैं. वर्कआउट से पहले कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाने की सलाह इसलिए दी जाती है क्योंकि सुबह पेट खाली रहता है उसके बाद व्यायाम करने से थकान महसूस हो सकती है. व्यायाम से पहले ब्राउन ब्रेड भी खा सकते हैं, इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और आवश्यक मात्रा में वसा भी पाई जाती है.

प्रोटीन युक्त खाद्य का सेवन करें

सुबह उठकर व्यायाम शुरू करने से पहले प्रोटीन से भरपूर चीजें लें जैसे- अंडा, दही, दूध. खाली पेट प्रोटीन लेने से शरीर को जल्दी फायदा पहुंचता है. व्यायाम करने से पहले कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन लेने की वजह यही है कि इनके सेवन के बाद व्यायाम ज्यादा देर के लिए किया जा सकता है और थकान भी महसूस नहीं होती है.

ऐसी डाइट लें, जिसमें ज्यादा पोटैशियम हो

वर्कआउट से पहले पोटैशियम भी शरीर में ऊर्जा को बढ़ाने का काम करता है.

एवोकेडो, शकरकंद और पालक में पोटैशियम प्रचुर मात्रा में होता है. केले में भी काफी पोटैशियम होता है, इनके सेवन से वर्कआउट करने से मांसपेशियों में खिंचाव महसूस नहीं होता है.

जरूर करें दलिया का सेवन

दलिया में काफी मात्रा में कैलोरी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर होता है. वर्क आउट करने से 3 मिनट पहले दलिया का सेवन करने से यह शरीर में जल्द ही पचकर ऊर्जा में परिवर्तित होता है.

शरीर में न होने दें पानी की कमी

शरीर के लिए पानी बहुत जरूरी है इसलिए ज्यादा पानी पीना चाहिए. कसरत करते समय बहुत ज्यादा पसीना निकलता है, जिससे शरीर में पानी की कमी भी होती है. इसलिए व्यायाम से एक-दो घंटे पहले ही भरपूर पानी पी लेना चाहिए. साथ ही व्यायाम भी इतना करने की कोशिश करना चाहिए कि जो पानी पीया है वह पूरा पसीने के रूप में शरीर से बाहर निकल जाए, लेकिन व्यायाम की यह आदत धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए.

फलों का जूस जल्द कम करता है फैट

व्यायाम करने से 1 घंटे पहले फलों का जूस सेवन करने से भी शरीर में थकान नहीं लगती है. जूस लेने से शरीर में ऊर्जा बनती है, जिससे व्यायाम काफी देर तक किया जा सकता है. जूस में सेब, अनार, संतरा आदि पीना चाहिए. इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व भरपूर होते हैं, जो शरीर को बीमारियों से बचाते हैं.

वन क्षेत्र से सटे मार्गों का निर्माण कैंपा के तहत कराए जाने की मांग की

ऋषिकेश। वन मंत्री हरक सिंह रावत ने गुरुवार को उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष प्रेम चंद अग्रवाल से भेंट की। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वन क्षेत्र से सटे विभिन्न संपर्क मार्गो का निर्माण कैंपा योजना के अंतर्गत करवाये जाने की बात वन मंत्री से कही। मुलाक़ात के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने संजय झील के शीघ्र ही सौंदर्यकरण कार्य को धरातल पर मूर्त रूप देने की बात कही। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संजय झील के सौंदर्यकरण से पर्यटन के साथ–साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। भेंट वार्ता के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने वन क्षेत्र से सटे विभिन्न संपर्क मार्गो का

निर्माण कैंपा योजना के अंतर्गत करवाये जाने को लेकर वन मंत्री को गम्भीरता से इस सम्बंध में शीघ्र ही उचित कार्यवाही करने की बात कही।इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने राजाजी रिजर्व नेशनल पार्क के अंतर्गत सत्यनारायण मंदिर से आनंद माई स्कूल गौहरीमाफी तक सम्पर्क मार्ग,राजाजी नेशनल पार्क के अंतर्गत ग्राम सभा क्षेत्र छिद्दरवाला में मुख्य राजमार्ग से ओणेश्वर मंदिर होते साहब नगर तक, ग्रामसभा भट्टोवाला में सम्पर्क मार्ग, रुषा फार्म गुमानीवाला में सड़क निर्माण, रूसा फार्म गुमानीवाला में पानी के ट्यूबवेल के पास सड़क निर्माण का निर्माण कराए जाने की बात कही।

सदन में 28 अगस्त को सतत विकास लक्ष्य पर होगी चर्चा

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान 28 अगस्त को उत्तराखंड राज्य के समग्र विकास के लिए सदन में सतत विकास लक्ष्य पर चर्चा की जानी है जिसको लेकर आज विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने सदन में पीठ से सभी सदस्यों को पूर्ण भागीदारी के साथ चर्चा में शामिल होने का आग्रह किया। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2015 में सतत विकास के 17 लक्ष्य तय किए थे, भारत सरकार ने भी इस पर हस्ताक्षर किया था साथ ही पटना में 4 साल पहले हुए देशभर के विधानसभा अध्यक्षों के सम्मेलन में 17 लक्ष्यों पर सहमति बनी थी।उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी की अगुवाई में संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास के 17 लक्ष्यों पर चर्चा के लिए 28 अगस्त का दिन निश्चित किया गया है।उन्होंने कहा कि कार्य मंत्रणा की बैठक के दौरान सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के नेताओं द्वारा सतत विकास लक्ष्य पर सदन में एक दिन चर्चा के लिए निश्चित करने हेतु सहमति जताई गयी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सभी दलों के लोग सतत् विकास लक्ष्य पर चर्चा में उत्साह पूर्वक भाग लेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजनीति में विचार अलग हो सकते हैं लेकिन प्रदेश के समग्र विकास के मुद्दे पर सतत विकास को लेकर सभी को एक साथ बैठकर चर्चा में शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1 दिन की इस चर्चा के लिए विधायकों में भी खासा उत्साह है।साथ ही सभी विधायकों को चर्चा के विषय भी दे दिए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य के बाद उत्तराखंड दूसरा राज्य होगा जहां सदन में सतत विकास को लेकर एक दिन चर्चा के लिए निश्चित किया गया है।विधानसभा अध्यक्ष ने बताया, "इस चर्चा के मुख्य विषय गरीबी से मुक्ति, भुखमरी समाप्त करना, सभी के लिए स्वस्थ्य जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, सुरक्षित जल एवं स्वच्छता का सतत प्रबंधन, किफायती ऊर्जा, समुचित रोज़गार एवं आर्थिक विकास, उद्योग नवसृजन और बुनियादी ढांचा , असमानता कम करना, संवहनीय शहर और समुदाय, उत्तरदायी उपभोग और उत्पादन, जलवायु परिवर्तन, जलीय जीवन, भूमि पर जीवन, शांतिपूर्ण एवं समावेशी संस्थाओं का निर्माण एवं लक्ष्यों की पूर्ति के लिए भागीदारी होंगे।

मुख्यमंत्री को राहत कोष के लिए सौंपा 10 लाख का चेक

नगर संवाददाता

देहरादून। हिन्दुस्तान कंस्ट्रक्शन कम्पनी के निदेशक ने मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु सौंपा 10 लाख का चेक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरूवार को विधानसभा में हिन्दुस्तान कंस्ट्रक्शन कम्पनी के निदेशक राकेश कुमार खाली ने भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु 10 लाख का चेक मुख्यमंत्री को भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विभिन्न विद्युत परियोजनाओं के साथ ही ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना के निर्माण में हिन्दुस्तान कंस्ट्रक्शन कम्पनी द्वारा दिये जा रहे सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि कोविड की रोकथाम तथा आपदा से बचाव के लिये किये जा रहे प्रयासों में सभी संस्थानों का सहयोग मिल रहा है। हिन्दुस्तान कंस्ट्रक्शन कम्पनी के निदेशक राकेश कुमार खाली ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उनकी कम्पनी के द्वारा टिहरी पीएसपी 1000 मेगावाट, विष्णुगाड–पीपलकोटी परियोजना 444 मे.वा. तथा तपोवन विष्णुगाड परियोजना 520 मे.वा. के साथ ही ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन गौचर को क्रियान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र भट्ट, भरत सिंह चौधरी भी उपस्थित थे।

क्रिप्टोकरेंसी फैंटेसी गेमिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

देहरादून। पिछले साल, स्वीकृति के आधार पर भारत दुनिया के दूसरे सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी मार्केट के रूप में उभरा। पूरे अनुभव में क्रांति लाने के उद्देश्य से, भारत के क्रिप्टो उत्साही और क्रिप्टो जिज्ञासुओं को एक नया और अनूठा ट्रेडिंग अनुभव प्रदान करने के लिए, रेनमेकर द्वारा दुनिया का पहला क्रिप्टोकरेंसी फैंटेसी गेमिंग प्लेटफॉर्म आज लॉन्च किया गया।

रेनमेकर, इन्वेस्टमेंट एवेन्यू की बारीकियों को मजेदार तरीके से सीखने में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए समझ को आसान बनाने के मूल दृष्टिकोण पर आधारित है। यह, खिलाड़ियों को आमंत्रित करके, क्रिप्टो पोर्टफोलियो मैनेजमेंट में तार्किक कौशल सीखने के लिए गेमिंग ट्रेड को सरल बनाकर लगभग एक रियल अनुभव प्रदान करता है। प्लेटफॉर्म स्टॉक ट्रेडिंग की तरह ही समान अनुभव देता है, जैसा कि भारत में रियल स्टॉक एक्सचेंज में होता है। रेनमेकर अब आईट्यून्स और गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। एक रियल वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज से संबंधित, रेनमेकर का एक्सचेंज पूरे विश्व में होने वाली लाइव घटनाओं के डेटा और संदर्भों का उपयोग करता है।

डीएम ने चंद्रभागा नदी के किनारे बसी अतिवृष्ठि प्रभावित बस्तियों का निरीक्षण किया

देहरादून। जनपद में विगत दिनों से हो रही भारी वर्षा के कारण नदी नालों का जलस्तर बढ़ा है जिससे नदी नालों के किनारे बसी आबादी में जलभराव की समस्याएं उत्पन्न हो रही है। इस पर नजर रखते हुए जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार द्वारा ऐसे विभिन्न स्थानों का सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ मौका मुआयना कर वस्तु स्थिति का जायजा लेते हुए स्थानीय लोगों को फौरी राहत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने ऋषिकेश में चंद्रभागा व गंगा नदी में बढ़े जल स्तर के बाद चंद्रभागा नदी किनारे बसे 90 परिवारों पर मंडरा रहे, संकट के खतरे को दूर करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ स्थलीय निरीक्षण कर, उन्हें पुनर्वासित किए जाने के लिए नगर निगम व ग्राम पंचायत की भूमि का सीमांकन कर कार्रवाई किये जाने के निर्देश जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारियों को दिए। आज ऋषिकेश बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे जिलाधिकारी ने तहसील में पहुंचने के बाद उप जिलाधिकारी डॉ अपूर्वा सिंह और तहसीलदार डॉक्टर अमृता शर्मा से पूरे ऋषिकेश क्षेत्र में जलभराव से लेकर नदी नालों में आए बाढ़ के पानी के हालात को जानने के बाद जिलाधिकारी सीधे चंद्रभागा नदी किनारे बसे झुग्गी झोपड़ी वालों के हालात जाना तथा निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग, नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि नदी तट पर बसे वर्षों से 90 परिवारों का चिन्हीकरण किया गया है, जिन्हे बरसात के दौरान हर वर्ष सुरक्षित स्थान पर स्थानान्तरित किया जाता है, किन्तु नदी का जल स्तर कम होने के बाद यह लोग पुनः अपनी झोपड़ी बनाकर रहने लगते हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने स्थानीय प्रशासन को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि स्थानीय प्रशासन ने बाढ़ से प्रभावित होने वाले लोगों के लिए संयुक्त लोकेशन बस स्टैंड पर रैन बसेरे में रहने व खाने–पीने की व्यवस्था भी की है जहां उन्हें अभी अस्थाई रूप से रखा जाएगा।

जिलाधिकारी ने चन्द्रेश्वर नगर वार्ड 7 में रह रहे 90 परिवारों को आश्रय स्थल पर ही सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उनके विस्थापन के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी ऋषिकेश को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इन विस्थापित परिवारों को अक्षयपात्र योजना के तहत सुखा राशन के पैकेटो का वितरण कराया गया तथा सिंचाई विभाग एवं नगर निगम ऋषिकेश को इनके आश्रय हेतु प्रस्ताव /आंगणन तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने आईएसबीटी स्थित रैन बसेरा का भी स्थलीय निरीक्षण किया तथा यहां पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। उन्होंने उपजिलाधिकारी ऋषिकेश, नगर

निगम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों को चन्द्रभागा नदी के किनारे की बस्तियों में रह रहे लोगों को अन्यत्र बसाने के निर्दश दिए गए। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने कोविड केयर सेन्टर का निरीक्षण किया तथा सम्बन्धित चिकित्सकों को आवश्यक सैम्पलिंग एवं टीकाकरण किये जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ऋषिकेश डॉ0 अपूर्वा सिंह, तहसीलदार डॉ0 अमृता, नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त एम .एल.दास, सिंचाई विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

टिहरी निवासी जबर सिंह के पार्थिव शरीर को भारत लाने का सीएम ने विदेश मंत्री से किया अनुरोध

देहरादून। टिहरी जिले के कंदीसौड़ स्थित थौलधार ब्लाक निवासी जबर सिंह के पार्थिव शरीर को नाइजीरिया से भारत वापस लाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विदेश मंत्री एस जय शंकर को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि भारत सरकार इस मसले पर गंभीरता से प्रयास करे। ज्ञातव्य है कि टिहरी जनपद के कंदीसौड़ गांव के निवासी जबर सिंह नाइजीरिया स्थित ताज रेस्टोरेंट में काम में कार्यरत थे, बीते 24 अगस्त को देर रात को अचानक उनका स्वास्थ्य खराब होने के कारण उनका आकस्मिक निधन हो गया था. जबर सिंह के आकस्मिक निधन के बाद उनके परिजनों द्वारा उनका पार्थिव शरीर अपने गाँव लाये जाने हेतु नाइजीरिया सरकार से सम्पर्क किया गया. लेकिन उनके द्वारा स्व. जबर सिंह के पार्थिव शरीर को भारत वापस भेजे जाने में असमर्थता व्यक्त कर दी गई. स्व. जबर सिंह के परिवारजनों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्वयं के संसाधनों से वे मृतक का शरीर भारत वापस लाने में असमर्थ है। इस बात का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के विदेश मंत्री से विशेष अनुरोध करते हुए इस मामले की गम्भीरता को ध्यान में रखते हुए शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर स्व. जबर सिंह के पार्थिव शरीर भारत वापस लाये जाने हेतु केन्द्र सरकार से आग्रह किया है. विदेश मंत्रालय से इस सम्बन्ध में राज्य सरकार को सकारात्मक आश्वासन मिला है।

अमृत महोत्सव के तहत फिट इंडिया फ्रीडम रन 2 का आयोजन

देहरादून। नेहरू युवा केन्द्र संगठन, उत्तराखण्ड, देहरादून, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन पुराना पंचायत घर, नियर आई.टी. पार्क. देहरादून में किया गया है। उक्त कार्यक्रम में शामिल नेहरू युवा केन्द्र, देहरादून से संबद्ध राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवकों, युवा क्लब के सदस्यों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना सहित 80 से अधिक युवाओं द्वारा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 पुराना पंचायत घर से प्रारम्भ होकर ऊषा चौक होती हुई वापस पुराना पंचायत घर तक पहुंची। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों द्वारा अपने हाथों में झंडा लेकर दौड़ लगाई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ क्षेत्रीय विद्यायक उमेश शर्मा (काऊ) द्वारा फलैग ऑफ कर फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 के अन्तर्गत दौड़ से किया गया साथ ही युवाओं को शपथ दिलाने के उपरान्त राष्ट्रीयगान का गायन किया। कार्यक्रम के शुभारम्भ के अवसर पर अपने वक्तव्य में माननीय विद्यायक ने कहा कि 75 वें आजादी का अमृत महोत्सव के तहत फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 के उपलक्ष्य पर नेहरू युवा केन्द्र देहरादून द्वारा गाँव से लेकर जनपद मुख्यालय में युवाओं का दौड़ करवाकर युवाओं में खेल भावना को प्रेरित किया जा रहा है जिससे आम जनता तक संदेश पहुंच रहा है और यह भी कहा गया कि युवा देश का भविष्य है इनको अपने स्वस्थ शरीर, मन और मस्तिस्क के लिए खेल को अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए।

शिवसेना मुख्यालय पर दूसरे दिन भी लगा रहा वैक्सीनेशन के लिए तांता

देहरादून। गोविंदगढ़ स्थित शिव सेना मुख्यालय पर दूसरे दिन भी वैक्सिनेशन के लिए स्थानीय लोगों का ताता लगा रहा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कर्मियों को बुलाना पढ़ा। शिव सेना नेत्री निधि गुप्ता एंव विकास सिंह के नेत्रत्व में लोगों को समझाया गया एंव नियंत्रित किया गया।इस दौरान लगभग 600 लोगों को कोविड–19 की डोज़ दी गयी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.
ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०-
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।